11103

Reg. No. [| | | | | | |]

I Semester B.Sc./BSRS Degree Examination, August - 2021

HINDI

Gadya, Arth Grahan Aur Anuvad

Paper - I

(CBCS Semester Repeater 2016-17, 2017-18 & 2018-19 Scheme)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

BMSCW LIBRARY

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) आत्मनिर्भरता की शिक्षा किनसे मिलती हैं?

2) हेतु कहाँ से आया था?

3) 'बिसाती' कहानी के कहानीकार कौन है?

4) जुलेखा किसकी सखी थी?

5) शुक्लाजी स्वयं को 'रात के राही' क्यों कहते हैं?

6) लीला की माँ कहाँ रहती है?

7) आलसी लोग किस पर निर्भर रहते है?

8) रायसाहब दमड़ी पर कितना जुरमाना लगाते है?

9) मध्ययुग में मनुष्य अपना काम किससे करवाता था?

10) रायसाहब के यहाँ कौन–सा उत्सव मनाया जाता था?

II किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1. "लकड़ी से कम से कम 500 रूपये सलाना दी बचत हो गयी। अब कोई भूलकर भी इन चीजों के लिए दिक करने नहीं आता।"

2. "युवक ने कहा–मैं उपहार देता हूँ, बेचता नहीं।"

3. मैं लुटेरी हूँ... जो कुछ भी हूँ पहले मैंने सीधी उंगली से घी निकालना चाहा था, मगर तुम काफी मक्कार लगते हों?"

P.T.O.

III "रात के राही" एकांकी का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (1×16=16)

(अथवा)

'शिष्टाचार' पाठ का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

IV किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। (2×5=10)

1. दमड़ी।
2. शिरी।
3. श्रीमान्।

V निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (10×1=10)

समय सतत परिवर्तन शील है। इसका उदाहरण है– प्राचीन काल से चली आ रही संयुक्त परिवार की परिपाटी का टूटना और एकल परिवार का चलन बढते जाना। शहरीकरण बढती मँहगाई, नौकरी की चाहत, उच्च शिक्षा, विदेशों में बसने की प्रवृत्ति के कारण एकल परिवारों की संख्या बढती जा रही है। इसके अलवा बढती स्वार्थ–वृत्ति भी बराबर की जिम्मेदार है। इन एकल परिवारों के कारण आज बच्चों की शिक्षा–दीक्षा, पालन–पोषण, माता–पिता के लिए दुष्कर होता जाता है।

जिस एकल परिवार में पति–पत्नी दोनों ही नौकरी करते हो, वहाँ यह और भी दुष्कार बन जाता है। आज समाज में बढते क्रेच और उनमें पलते बच्चे इसका जीता जागता उदाहरण हैं। प्राचीन काल में यह काम संयुक्त परिवार में दादा–दादी, चाचा–चाची, ताई–बुआ, इतनी सरलता से कर देती थी कि बच्चे कब बडे हो गए पता ही नहीं चल पाता था। संयुक्त परिवार हर काल में समाज की जरूरत थी और रहेगी।

BMSCW LIBRARY

भारतीय संस्कृती में संयुक्त परिवार और भी महत्वपूर्ण है। बच्चों और युवा पीढी को रिश्तों का ज्ञान संयुक्त परिवार में ही हो पाता है। यही सामूहिकता की भावना, मिल–जुलकर काम करने की भावना पनपती और फलती–फूलती है। एक दूसरे के सुख–दुःख में काम आने की भावना संयुक्त परिवार में ही पनपती है। संयुक्त परिवार बुजुर्ग सदस्यों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

परिवार के अन्य सदस्य उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं जिससे उन्हें बुढापा कष्टकारी नहीं लगता हैं? संयुक्त परिवार व्यक्ति को अकेलेपन का शिकार नहीं होने देते हैं। आपसी सुख–दुःख बाँटने, हँसी–मजाक करने के साथी संयुक्त परिवार स्वतः उपलब्ध कराते हैं। इससे लोग स्वस्थ, प्रसन्न और हँसमुख रहते हैं।

1. संयुक्त परिवार आज किस रूप में परिवर्तित हो गया हैं?
2. एकल परिवार की संख्या बढने का क्या कारण हैं?
3. आज माता–पिता के लिए क्या दुष्कर हो गया हैं?
4. आज कल बच्चे कहाँ पल रहे हैं?
5. प्राचीन काल में बच्चों का पालन–पोषण कौन कर रहा था?
6. बच्चों और युवा पीढी को रिश्तों का ज्ञान कहाँ मिलता हैं?
7. संयुक्त परिवार किसके लिए वरदान हैं?
8. संयुक्त परिवार में कौन सी भावनाएँ पनपती हैं?

9. संयुक्त परिवार व्यक्ति को किससे बचाता हैं?
10. संयुक्त परिवार में लोग कैसे रहते है?

VI निम्नलिखित शब्दों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (10×1=10)

1. Immunity
2. Medicine
3. Vaccination
4. Health Centre
5. Spinal Cord
6. Gravitation
7. Pollution
8. Weather
9. Surgery
10. Disease

BMSCW LIBRARY

BMSCW LIBRARY